Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 06 April 2024

Dainik Jagran Page - 02

एक फार्म से कई पाठ्यक्रमों में आवेदन

अभ्यर्थियों की सहूलियत के लिए गोरखपुर विश्वविद्यालय ने प्रवेश पोर्टल में दिया विकल्प

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय प्रशासन ने आवेदन में इस बार एक उपयोगी और महत्वपूर्ण सहूलियत दी है। अब अभ्यर्थी एक ही आवेदन फार्म के जरिये एक से अधिक पाठ्यक्रम में आवेदन कर सकेंगे। अहंता के आधार पर विश्वविद्यालय अभ्यर्थियों को खुद पाठ्यक्रमों का विकल्प सुझाएगा।

इसके लिए अभ्यर्थियों को केवल पाठ्यक्रम में प्रवेश के आवेदन के लिए निर्धारित अतिरिक्त फीस देनी होगी। हर पाठ्यक्रम के अलग-अलग फार्म नहीं भरना पड़ेगा। केवल उस पाठ्यक्रम में टिक करने से ही अभ्यर्थी का आवेदन मान लिया जाएगा और उसके संबंधित पाठ्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा देने का अवसर मिल जाएगा। ऐसा कई बार देखा जाता है कि कई बार आनलाइन आवेदन फार्म भरने से बचने के लिए अभ्यर्थी एक से अधिक पाठ्यक्रम के लिए आवेदन नहीं करते।

इसके चलते प्रवेश के दौरान उनके लिए पाठ्यक्रम का अधिक विकल्प नहीं मिल पाता। बहुत से अभ्यर्थी इसके लिए बाद में पछताते देखे जाते हैं। ऐसे ही अभ्यर्थियों के लिए विश्वविद्यालय ने एक ही फार्म से कई पाठ्यक्रमों में आवेदन का विकल्प उपलब्ध कराने की सहूलियत दी है। इससे अभ्यर्थियों को ही सहूलियत नहीं मिलेगी, विश्वविद्यालय को अपने हर पाठ्यक्रम के लिए योग्य विद्यार्थी मिल सकेंगे। विश्वविद्यालय ने यह निर्णय प्रवेश प्रक्रिया को लेकर अपने पिछले अनुभव के आधार पर लिया है।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय ने बताया कि अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय ने एक आवेदन फार्म से एक से अधिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करने के विकल्प अपने प्रवेश पोर्टल पर दिए हैं। इससे अभ्यर्थियों को आवेदन वे लिए बिना अतिरिक्त प्रयास के कई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन का अवसर मिल रहा है। अभ्यर्थियों को आनलाइन फार्म भरने में कोई दिक्कत न आए, इसके लिए एक वीडियो भी जारी किया गया है।

ऐसे मिलेगा अतिरिक्त पाठ्यक्रम में आवेदन का अवसर

अभ्यर्थी विश्वविद्यालय के प्रवेश पोर्टल पर जाकर जब किसी एक पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर लेंगे तो उनके द्वारा संबंधित पाठ्यक्रम के लिए दिए गए अहंता के ब्यौरा के आधार पर पोर्टल कुछ अन्य पाठ्यक्रम में आवेदन का विकल्प देगा। अभ्यर्थी जैसे ही उस विकल्प पर टिक करेंगे, आवेदन फीस जमा करने का बाबत खुल कर सामने आ जाएगा। फीस जमा करते ही अतिरिक्त पाठ्यक्रम का आवेदन भी मान लिया जाएगा। इस तरह से एक ही फार्म के जरिये अभ्यर्थी विकल्प के तौर पर चुने गए सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित परीक्षा दे सकेगा। आवेदन फीस जमा करने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बार सभी आनलाइन विकल्प दिए हैं। फार्म कैसे भरें, इसके लिए गोविं ने शुक्रवार को एक वीडियो फिल्म भी जारी की है।

वार्षिक व सेमेस्टर परीक्षा के लिए बने 204 केंद्र

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय ने वार्षिक व सम-सेमेस्टर परीक्षा की समय सारिणी जारी कर परीक्षा न आयोजित न पाने की अटकलों पर शुक्रवार को विराम लगा दिया।

नौ अप्रैल से वार्षिक और 15 अप्रैल से शुरू होने वाले सम-सेमेस्टर परीक्षा के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय ने गोरखपुर, देवरिया और कुशीनगर में 204 परीक्षा केंद्र भी बना दिए हैं। प्रश्नपत्रों और कापियों के समय से वितरण के लिए विश्वविद्यालय ने 10 नोडल केंद्र भी बनाए हैं।

विश्वविद्यालय में यह परीक्षाएं नौ अप्रैल से सात जून तक चलेंगी। मुख्य विषय की परीक्षाएं मई के दूसरे सप्ताह तक संपन्न करा ली जाएंगी। सेमेस्टर में पहले परास्नातक की परीक्षाएं होंगी। चुनाव से पहले परीक्षाएं संपन्न होंगे से अगला सत्र प्रभावित नहीं होगा। साथ ही जून में प्रवेश परीक्षा आयोजित हो सकेगी। परीक्षाएं जल्द से जल्द संपन्न कराने के लिए विश्वविद्यालय वार्षिक परीक्षा और परास्नातक की सेमेस्टर परीक्षाओं का आयोजन दो पालियों में कर रहा है। स्नातक की सेमेस्टर परीक्षाएं तीन पालियों में होने जा रही हैं।

इन कालेजों को बनाया है नोडल केंद्र: दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, बीआरडी भगवानदास पीजी कालेज बरहज, देवरिया, बीआरडीपीजी कालेज, देवरिया, मदनमोहन मालवीय पीजी कालेज भाटपार रानी, देवरिया, संत विनोबा पीजी कालेज, देवरिया, बुद्ध पीजी कालेज, कुशीनगर, उदित नारायण पीजी कालेज पडरौना, कुशीनगर, श्यामेश्वर पीजी कालेज सिकरीगंज, गोरखपुर, बापू पीजी कालेज पीजीगंज, गोरखपुर और नेशनल पीजी कालेज बड़हलगंज।

परीक्षा फार्म भरने के लिए विद्यार्थियों को मिला एक और मौका

सेमेस्टर परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा फार्म भरने के लिए एक और मौका दिया है। अब वह सात अप्रैल तक परीक्षा फार्म भर सकते हैं। अभी तक इसकी आखिरी तिथि पांच अप्रैल थी। बता दें कि एकेडमिक बैक आइए क्रेडिट में नामांकन न करा पाने की वजह से बहुत से विद्यार्थी परीक्षा फार्म नहीं भर पाए थे। एकेडमिक बैंक में बिना नामांकन के ही परीक्षा फार्म भरने का विकल्प विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय ने खोल दिया गया। परीक्षा नियंत्रक डा. कुलदीप सिंह ने बताया कि यह अंतिम मौका है। इसके बाद परीक्षा फार्म भरने की तिथि विस्तारित नहीं की जाएगी।

साइकिल स्टैंड में खड़े करें वाहन: परीक्षाओं को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सुरक्षा से जुड़ी तैयारियां भी तेज कर दी हैं। मुख्य नियंता सतीश चंद्र पांडेय ने कहा है कि सभी परीक्षार्थी अपने वाहन को विश्वविद्यालय के साइकिल स्टैंड में ही खड़ा करेंगे। उन्होंने यह भी कहा है कि किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा सामग्री के अतिरिक्त किसी अन्य चीज के साथ केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

गोवि की डा. विस्मिता को मिला बेस्ट प्रेजेंटर अवार्ड

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. विस्मिता पालीवाल को फारेंसिक, सिक्योरिटी एंड ला के इंटरनेशनल कान्फ्रेंस में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर बेस्ट प्रेजेंटर का अवार्ड मिला है। एडवांसमेंट इन फारेंसिक साइंस, ग्लोबल सिक्योरिटी एंड लीगल चैलेंजेज की थीम पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में फारेंसिक साइंस लेबोरेटरी के सहयोग से किया गया था। डा. विस्मिता ने भारत में लार्सेनी आफेंडर्स के साइकोमेट्रिक प्रोफाइलिंग पर शोध किया है। इसके अंतर्गत चोरी, जेब काटना, छिनैती, सार्वजनिक स्थानों पर चोरी के मामलों को लेकर देश के विभिन्न जेलों में 50 अपराधियों पर अध्ययन किया था। (विज्ञप्ति)

Amar Ujala Page - 09

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार में डॉ. विस्मिता को मिला बेस्ट प्रेजेंटर अवॉर्ड

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विस्मिता पॉलीवाल को फॉरेंसिक, सिक्योरिटी एंड लॉ के इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त के लिए बेस्ट प्रेजेंटर का अवार्ड मिला। एडवांसमेंट इन फॉरेंसिक साइंस, ग्लोबल सिक्योरिटी एंड लीगल चैलेंजेज की थीम पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के सहयोग से किया गया था। डॉ. विस्मिता ने भारत में लार्सेनी ऑफेंडर्स के साइकोमेट्रिक प्रोफाइलिंग पर शोध किया है। इसके अंतर्गत चोरी, जेब काटना, छिनैती, सार्वजनिक स्थानों पर चोरी के मामलों को लेकर देश के विभिन्न जेलों में 50 अपराधियों पर अध्ययन किया था। डॉ. विस्मिता की इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. पूनम टंडन, विभागाध्यक्ष प्रो. धनंजय कुमार, डीएसडब्ल्यू प्रो. अनुभूति दूबे एवं विभागीय सहकर्मियों समेत अनेक शिक्षकों ने बधाई दी। संवाद

डॉ. विस्मिता पॉलीवाल

एक फॉर्म से मिलेगा कई पाठ्यक्रमों में प्रवेश का मौका

संवाद न्यूज एजेंसी

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश पोर्टल में दिया विकल्प

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए पंजीकरण की शुरुआत हो गई है। पहले चरण में स्नातक में प्रवेश के लिए पोर्टल खोल दिया गया है।

इस बार आवेदन में विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को बड़ी सुविधा दी है। वे अब एक ही फॉर्म से कई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे। हालांकि, वह जितने अतिरिक्त पाठ्यक्रम के लिए आवेदन करेंगे उनको उसके लिए शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा।

कई बार ऐसा देखा जाता है कि अभ्यर्थी कई बार फार्म भरने से बचने के लिए एक से अधिक पाठ्यक्रम के लिए आवेदन नहीं करते।

डीडीयू : 204 केंद्रों पर होगी वार्षिक और सेमेस्टर परीक्षा

टाइम टेबल जारी, गोरखपुर, देवरिया और कुशीनगर में बने 10 नोडल केंद्र

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में नौ अप्रैल से वार्षिक और 15 अप्रैल से सम सेमेस्टर की परीक्षाएं होनी हैं। तमाम अटकलों पर विराम लगाते हुए विश्वविद्यालय ने टाइम टेबल जारी कर दिया है। गोरखपुर, देवरिया और कुशीनगर में परीक्षा के लिए 204 केंद्र बनाए गए हैं।

विश्वविद्यालय में परीक्षाएं नौ अप्रैल से सात जून तक चलेंगी। मुख्य विषय की परीक्षाएं मई के दूसरे सप्ताह तक पूरी करा ली जाएंगी। सेमेस्टर में पहले परास्नातक की परीक्षाएं होंगी। चुनाव से पहले परीक्षाएं संपन्न होंगे से अगला सत्र प्रभावित नहीं होगा।

साथ ही जून में प्रवेश परीक्षा आयोजित हो सकेगी। वार्षिक परीक्षा और सेमेस्टर में परास्नातक की परीक्षाएं दो पाली में होंगी। इसके अलावा सेमेस्टर में स्नातक की परीक्षाएं तीन पालियों में आयोजित होंगी।

यह कॉलेज बने नोडल केंद्र : परीक्षा में प्रश्नपत्र प्राप्त करने और वितरण के लिए गोरखपुर, देवरिया और कुशीनगर में 10 नोडल केंद्र बनाए गए हैं। इसमें दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, बीआरडी भगवानदास पीजी कॉलेज बरहज देवरिया, बीआरडीपीजी कॉलेज, देवरिया, मदन मोहन मालवीय पीजी कॉलेज भाटपार रानी देवरिया, संत विनोबा पीजी कॉलेज देवरिया, बुद्ध स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुशीनगर, उदित नारायण पीजी कॉलेज पडरौना कुशीनगर, श्यामेश्वर पीजी कॉलेज सिकरीगंज गोरखपुर, बापू पीजी कॉलेज पीजीगंज गोरखपुर और नेशनल पीजी कॉलेज बड़हलगंज गोरखपुर शामिल हैं।

गर्मी से राहत : 2023 में सेमेस्टर परीक्षाएं जून में आयोजित हुई थीं। इसमें कई विद्यार्थी हीटवेव के शिकार हो गए थे। अप्रैल में परीक्षा होने से छात्र-छात्राओं को गर्मी से थोड़ी राहत मिलेगी। समय से परीक्षा होने के कारण रिजल्ट में भी देरी नहीं होगी।

साइकिल स्टैंड में करें वाहन पार्क : परीक्षाओं को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मुख्य नियंता सतीश चंद्र पांडेय ने कहा कि सभी परीक्षार्थी अपने वाहन को विश्वविद्यालय के साइकिल स्टैंड में ही खड़ा करेंगे। इसके अलावा वे परीक्षा सामग्री को छोड़कर अन्य किसी भी चीज को लेकर केंद्र में प्रवेश नहीं करेंगे।

नौ से वार्षिक और 15 अप्रैल से शुरू होगी सम सेमेस्टर की परीक्षा

ठीक हो गया परीक्षा का समय

दो दिन पहले विश्वविद्यालय ने सम सेमेस्टर परीक्षा के लिए टाइम टेबल जारी किया था। इसमें परीक्षा के समय में गड़बड़ी थी। इसे ठीक करके नए सिरे से टाइम टेबल जारी किया गया। विद्यार्थी इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.ddugu.ac.in पर देख सकते हैं।

परीक्षा फॉर्म भरने के लिए एक और मौका

सेमेस्टर परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय प्रशासन ने परीक्षा फॉर्म भरने के लिए एक और मौका दिया है। अब वे सात अप्रैल तक अपना परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। अभी तक इसकी आखिरी तिथि पांच अप्रैल थी। बता दें कि एकीसी आईडी की वजह से बहुत सारे विद्यार्थी परीक्षा फॉर्म नहीं भर पाए थे। बाद में इसे बिना एबीसी आईडी के ही भरने का विकल्प खोल दिया गया। परीक्षा नियंत्रक डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि यह अंतिम मौका है, इसके बाद परीक्षा फॉर्म भरने की तिथि नहीं विस्तारित की जाएगी।

Rashtriya Sahara Page - 05, 07

डॉ. विस्मिता को बेस्ट प्रेजेंटर का अवार्ड

गोरखपुर(एसएनबी)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर के मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विस्मिता पॉलीवाल को फॉरेंसिक, सिक्योरिटी एण्ड लॉ के इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त के लिए बेस्ट प्रेजेंटर का अवार्ड मिला है।

एडवांसमेंट इन फॉरेंसिक साइंस, ग्लोबल सिक्योरिटी एण्ड लीगल चैलेंजेज की थीम पर आयोजित इस अंतरर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के सहयोग से किया गया था। बेस्ट पेपर प्रेजेंटर के लिए अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में 10 हजार रुपये का पुरस्कार भी उन्हें दिया गया है। डॉ. विस्मिता ने भारत में लार्सनी अफेंडर्स के साइकोमेट्रिक प्रोफाइलिंग पर शोध किया है। इसके अंतर्गत चोरी, जेब काटना, छिनैती, सार्वजनिक स्थानों पर चोरी के मामलों को लेकर देश के विभिन्न जेलों के 50 इस तरह के अपराधियों पर अध्ययन किया गया था। इस शोध को सम्मेलन में उपस्थित देश एवं विदेश के विभिन्न डेलिगेट्स के द्वारा काफी सराहा गया। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. पूनम टण्डन सहित अन्य शिक्षकों एवं सहकर्मियों ने बधाई दी है।

डीडीयू की वार्षिक परीक्षाएं 9 से

गोरखपुर(एसएनबी)। गोविवि. एवं संबद्ध महाविद्यालयों की वार्षिक परीक्षाएं 09 अप्रैल से दो पालियों में प्रारंभ होंगी।

- दो पालियों में होंगी परीक्षाएं
- परीक्षार्थियों को इलेक्ट्रॉनिक सामान ले जाना प्रतिबंधित
- साइकिल स्टैंड पर वाहन खड़ा करने के बाद ही परिसर में छात्र करेंगे प्रवेश

इस दौरान परीक्षार्थियों को कोई भी इलेक्ट्रानिक गैजेट अपने साथ परीक्षा कक्ष में ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही परीक्षार्थी अपने वाहन मुख्य द्वार पर बने साइकिल स्टैंड पर ही खड़ा करने के उपरांत परीक्षा स्थल पर जाएंगे।

उक्त निर्देश देते हुए नियंता दीदउ गोविवि ने बताया कि सत्र 2023-24 की वार्षिक परीक्षाएं विश्वविद्यालय परिसर स्थित निर्धारित परीक्षा केंद्र (कला संकाय भवन) पर 9 अप्रैल से 07 जून तक दो पालियों में प्रस्तावित हैं। परीक्षाएं दो पालियों में प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक तथा अपराह्न 01 बजे से सायं 4 बजे तक है। इसलिए सभी परीक्षार्थी अपने वाहन मुख्य द्वार के पास बने साइकिल स्टैंड पर खड़ा करने के उपरांत ही परीक्षा स्थल पर पहुंचेंगे। साथ ही परीक्षार्थियों का अपने साथ मोबाइल, कैल्कुलेटर या अन्य किसी भी इलेक्टॉनिक सामान को परीक्षा केंद्र पर ले जाना पूर्णतः प्रतिबंधित है।

Hindustan Page - 06

एक ही पंजीकरण से कई पाठ्यक्रम में आवेदन

राहत

- अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए प्रवेश पोर्टल में दिया गया विकल्प
- अहंता के आधार पर पाठ्यक्रम का विकल्प सुझाएगा विश्वविद्यालय

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए उपयोगी और महत्वपूर्ण सुविधा दी गई है। अब अभ्यर्थी एक ही पंजीकरण से कई पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे। अहंता के आधार पर पोर्टल अभ्यर्थियों को खुद पाठ्यक्रमों का विकल्प प्रस्तुत करेगा।

डीडीयू में सत्र 2024-25 में प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों को एक पंजीकरण में एक से अधिक विषयों में प्रवेश के लिए आवेदन का मौका मिल सकेगा। पंजीकरण निःशुल्क है। हालांकि एक से अधिक पाठ्यक्रम के लिए आवेदन पर हर आवेदन का शुल्क देना होगा। सुविधा यह होगी कि पंजीकरण बार-बार नहीं करना होगा। ऑनलाइन आवेदन फॉर्म भरने के दौरान टेढ़ी प्रक्रिया के कारण अभ्यर्थी प्रायः चाहकर भी दूसरे विषयों में आवेदन नहीं कर पाते। इसे देखते हुए यह सुविधा दी गई है।

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए एक आवेदन फॉर्म से एक से अधिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन करने का विकल्प प्रदेश पोर्टल पर दिया गया है। इससे अभ्यर्थी बिना अतिरिक्त प्रयास के कई पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकेंगे। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन फार्म भरने में कोई मुश्किल न हो, इसके लिए एक वीडियो भी जारी किया गया है।

प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, डीडीयू

ऐसे कर सकेंगे एक से अधिक आवेदन: अभ्यर्थी पोर्टल पर जाकर जब किसी एक पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर लेंगे तो उनके द्वारा संबंधित पाठ्यक्रम के लिए दिए गए अहंता के ब्यौरा के आधार पर पोर्टल कुछ अन्य पाठ्यक्रम में आवेदन का विकल्प देगा। अभ्यर्थी जैसे ही उस विकल्प पर टिक करेंगे, आवेदन फीस जमा करने का विकल्प सामने आ जाएगा। शुल्क जमा करते ही अतिरिक्त पाठ्यक्रम का आवेदन भी स्वीकृत हो जाएगा।

मार्गदर्शन को पहली बार जारी किया वीडियो

डीडीयू प्रशासन ने पहली बार प्रवेश के लिए आवेदन की प्रक्रिया समझने के लिए वीडियो जारी किया है। वीडियो में वनस्पति विज्ञान विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ तुलिका मिश्रा ने आवाज दी है। इसमें शुरू से अंत तक की सभी प्रक्रिया को आसानी से समझाया गया है।

डॉ. विस्मिता को बेस्ट प्रजेंटर अवार्ड

गोरखपुर। डीडीयू के मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विस्मिता पॉलीवाल को फॉरेंसिक, सिक्योरिटी एंड लॉ के इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त के लिए बेस्ट प्रजेंटर का अवार्ड मिला। एडवांसमेंट इन फॉरेंसिक साइंस, ग्लोबल सिक्योरिटी एंड लीगल चैलेंजेज की थीम पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के सहयोग से किया गया था। डॉ. विस्मिता ने भारत में लार्सनी आफेंडर्स के साइकोमेट्रिक प्रोफाइलिंग पर शोध किया है। इसके अंतर्गत चोरी, जेब काटना, छिनैती, सार्वजनिक स्थानों पर चोरी के मामलों को लेकर देश के विभिन्न जेलों में 50 अपराधियों पर अध्ययन किया था।

डॉ. विस्मिता पॉलीवाल।

Amar Ujala Select Page - 02,04

डॉ. विस्मिता पॉलीवाल को मिला बेस्ट प्रेजेंटर अवॉर्ड

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विस्मिता पॉलीवाल को फॉरेंसिक, सिक्योरिटी एंड लॉ के इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त के लिए बेस्ट प्रेजेंटर का अवॉर्ड मिला।

एडवांसमेंट इन फॉरेंसिक साइंस, ग्लोबल सिक्योरिटी एंड लीगल चैलेंजेज की थीम पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के सहयोग से किया गया था। डॉ. विस्मिता ने भारत में लार्सनी ऑफेंडर्स के साइकोमेट्रिक प्रोफाइलिंग पर शोध किया है। इसके अंतर्गत चोरी, जेब काटना, छिनैती, सार्वजनिक स्थानों पर चोरी के मामलों को लेकर देश के विभिन्न जेलों में 50 अपराधियों पर अध्ययन किया था।

डीडीयू : एक फॉर्म से मिलेगा कई पाठ्यक्रमों में प्रवेश का मौका

विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश पोर्टल में दिया विकल्प

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विस्मिता पॉलीवाल को फॉरेंसिक, सिक्योरिटी एंड लॉ के इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त के लिए बेस्ट प्रेजेंटर का अवॉर्ड मिला।

> प्रवेश में अभ्यर्थियों की सहूलियत के लिए विश्वविद्यालय ने एक आवेदन फॉर्म से एक से अधिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन का विकल्प दिया है। इससे उनको कई पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन में आसानी होगी। अभ्यर्थियों को प्रवेश फॉर्म भरने में कोई दिक्कत न आए, इसके लिए एक वीडियो भी जारी किया गया है।
>
> -प्रो. पूनम टंडन, कुलपति, गोरखपुर विश्वविद्यालय

एडवांसमेंट इन फॉरेंसिक साइंस, ग्लोबल सिक्योरिटी एंड लीगल चैलेंजेज की थीम पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के सहयोग से किया गया था। डॉ. विस्मिता ने भारत में लार्सनी आफेंडर्स के साइकोमेट्रिक प्रोफाइलिंग पर शोध किया है। इसके अंतर्गत चोरी, जेब काटना, छिनैती, सार्वजनिक स्थानों पर चोरी के मामलों को लेकर देश के विभिन्न जेलों में 50 अपराधियों पर अध्ययन किया था।

अभ्यर्थी कई बार फार्म भरने से बचने के लिए एक से अधिक पाठ्यक्रम के लिए आवेदन नहीं करते। इसके चलते प्रवेश के दौरान दूसरे पाठ्यक्रम का विकल्प नहीं मिल पाता। बहुत से अभ्यर्थी बाद में पछताते हैं कि एक और पाठ्यक्रम के लिए आवेदन कर देते तो शायद प्रवेश मिल जाता। ऐसे ही अभ्यर्थियों के लिए विश्वविद्यालय ने यह सहूलियत दी है। इससे विश्वविद्यालय को हर पाठ्यक्रम में योग्य विद्यार्थी मिल सकेंगे। फार्म कैसे भरें, इसके लिए विश्वविद्यालय ने शुक्रवार को एक वीडियो भी जारी किया है।

डॉ. विस्मिता को मिला बेस्ट प्रेजेंटर का अवार्ड

- फोरेंसिक, सिक्योरिटी एण्ड लॉ के इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत किए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। डीडीयू के मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विस्मिता पॉलीवाल को फॉरेंसिक, सिक्योरिटी एण्ड लॉ के इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र प्रस्तुति में प्रथम स्थान प्राप्त के लिए बेस्ट प्रजेंटर का अवार्ड मिला है। एडवांसमेंट इन फोरेंसिक साइंस, ग्लोबल सिक्योरिटी एण्ड लीगल चैलेंजेज की थीम पर आयोजित एमिटी यूनिवर्सिटी नोएडा में फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी के सहयोग से किया गया था। बेस्ट पेपर प्रेजेंटर के लिए अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस में 10 हजार रुपये का पुरस्कार भी उन्हें दिया गया है। डॉ. विस्मिता ने भारत में लार्सनी अफेंडर्स के साइकोमेट्रिक प्रोफाइलिंग पर शोध किया है। इसके अंतर्गत चोरी, जेब काटना, छिनैती, सार्वजनिक स्थानों पर चोरी के मामलों को लेकर देश के विभिन्न जेलों के 50 अपराधियों पर अध्ययन किया था। इस शोध को सम्मेलन में उपस्थित देश एवं विदेश के विभिन्न डेलिगेट्स के द्वारा काफी सराहा गया। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. पूनम टण्डन सहित अन्य शिक्षकों एवं सहकर्मियों ने बधाई दी है।

कल तक भर सकेंगे सम सेमेस्टर की आनलाईन परीक्षा फार्म

- फार्म भरने का आखिरी मौका, इसके पश्चात अवसर प्रदान किया जाना सम्भव नहीं: परीक्षा नियंत्रक

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में सेमेस्टर प्रणाली सत्र 2023-24 के अन्तर्गत कला संकाय, विज्ञान संकाय, वाणिज्य संकाय, कृषि संकाय, विधि संकाय, शिक्षा संकाय के स्नातक एवं परास्नातक तथा डिप्लोमा सहित समस्त प्रोग्राम के सम सेमेस्टर की संस्थागत / बैक के अर्ज छात्रों की परीक्षाएं अप्रैल माह से प्रस्तावित है, उक्त परीक्षा हेतु आनलाईन परीक्षा फार्म में वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन करते हुये परीक्षाफार्म पूरित किये जाने हेतु 07 अप्रैल तक विस्तारित की गई है। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक कुलदीप सिंह ने बताया की कुलपति के आदेशानुसार यह आखिरी मौका है इसके पहाद कोई अवसर प्रदान किया जाना सम्भव नहीं होगा। बताया की विश्वविद्यालय परिसर के छात्रों एवं सम्बन्धित महाविद्यालय को निर्देशित किया गया है कि परीक्षा फार्म में माइनर एवं वैकल्पिक प्रश्नपत्रों का चयन समयानर्गत पूरित करना सुनिश्चित करें। विश्वविद्यालय परिसर हेतु वैकल्पिक एवं माइनर प्रश्नपत्रों का चयन छात्रों को स्वंय करना होगा तथा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालय के अर्ज छात्रों को सम्बन्धित महाविद्यालयों के लॉगिन पासवर्ड द्वारा पूरित किया जायेगा।

सेमेस्टर परीक्षाओं की संशोधित समय सारिणी जारी, पीजी की परीक्षाएं पहले, 24 अप्रैल तक ज्यादातर समाप्त

204 केंद्रों पर परीक्षा, समय सारिणी जारी

डीडीयू

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में 9 अप्रैल से वार्षिक और 15 अप्रैल से सम सेमेस्टर की परीक्षाओं को लेकर समय सारिणी जारी कर दी गई है। गोरखपुर, देवरिया और कुशीनगर के कुल 204 केंद्रों पर ये परीक्षाएं संपन्न होंगी।

डीडीयू में वार्षिक व सम सेमेस्टर की परीक्षाएं नौ अप्रैल से सात जून तक चलेंगी। वार्षिक परीक्षाओं के अनर्गत परास्नातक की ज्यादातर परीक्षाएं अप्रैल में ही समाप्त हो जाएंगी। सम सेमेस्टर में भी 24 अप्रैल तक पीजी की ज्यादातर परीक्षाएं संपन्न करा ली जाएंगी। स्नातक अंतिम सेमेस्टर को छोड़कर ज्यादातर परीक्षाएं 19 मई तक संपन्न हो जाएंगी। बृजी अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं 7 जून को संपन्न होंगी।

- बीए व बीएससी की परीक्षा 25, बीकॉम की 30 से होगी
- बीए अंतिम सेमेस्टर की परीक्षाएं 7 जून तक होंगी

10 दिनों में ही पीजी की परीक्षाएं समाप्त

शुक्रवार में परास्नातक की परीक्षाएं आयोजित होंगी। पीजी की ज्यादातर परीक्षाएं 24 अप्रैल तक समाप्त हो जाएंगी। उसके बाद स्नातक की परीक्षाएं शुरू होंगी। 28 मई तक ज्यादातर परीक्षाएं समाप्त हो जाएंगी। जून में बीए तृतीय वर्ष के कुछ विषयों की परीक्षाएं होंगी। जून में परीक्षाएं न पड़े, इसके लिए डीडीयू प्रशासन ने काफी प्रयास किया था।

पीजी की परीक्षाएं तीन-तीन घंटे की दो पालियों में होंगी। बृजी की परीक्षाएं डेढ़-डेढ़ घंटे की तीन पालियों में होंगी।

परीक्षा के लिए बने 10 नोडल केंद्र

इस बार भी परीक्षा के लिए कुल 10 नोडल केंद्र बनाए गए हैं। गोरख